ASEAN FOREIGN MINISTERS MEETING

Why in the News?

Recently, the External Affairs Minister of India visited Cambodia to attend the annual ASEAN-India Foreign Ministers' Meeting (AIFMM).

Key Takeaways

ASEAN-India Foreign Ministers' Meeting (AIFMM)

- India appreciated the Cambodian Chairship of ASEAN this year, under the theme **'ASEAN ACT: Addressing Challenges Together.**
- The meeting "deliberated on ways to elevate ASEAN-India cooperation in areas of
  - Smart agriculture
  - Healthcare
  - new and renewable energy
  - digital inclusivity
  - fintech
- India's advocated support for ASEAN unity and centrality in a free, open, inclusive and rules-based Indo-Pacific.
- Noting the strong convergence between ASEAN Outlook on Indo-Pacific (AOIP) and Indo-Pacific Oceans Initiative (IPOI) India called for greater cooperation with ASEAN in the Indo-Pacific.
- The Asean-related ministerial meetings in Phnom Penh including the **East Asia Summit (EAS) Foreign ministers' meeting** and the **ASEAN Regional Forum (ARF)** ministerial meeting

Association of Southeast Asian Nations (ASEAN)

- It is a **regional grouping** that promotes economic, political and security cooperation. It was established on **8 august 1968** in **Bangkok, Thailand.**
- ASEAN brings together **ten Southeast Asian states** – Brunei, Cambodia, Indonesia, Laos, Malaysia, Myanmar, the Philippines, Singapore, Thailand and Vietnam.
- This was **set up during the polarized atmosphere of the Cold War**, and the alliance aimed to promote stability in the region.
- Its **chairmanship rotates annually,** based on the alphabetical order of the English names of Member states.
- ASEAN and India began holding annual summits in 2002 to elevate political, security, economic and socio-cultural ties.
- In 2015, ASEAN leaders welcomed India's "Act East Policy."
- In 2015, **the ASEAN Economic Community (AEC)** came into existence, a major milestone in the organization's regional economic integration agenda.
    - The **AEC envisions the bloc as a single market** with free flow of goods, services, investments and skilled labor, and freer movement of capital across the region.

Image Source: World Atlas

ASEAN Outlook on the Indo-Pacific

- It offers an outlook to **guide cooperation in the region and enhance ASEAN's Community building process** and further strengthen the existing ASEAN-led mechanisms, such as the East Asia Summit.
- Its main objectives are helping to **promote an enabling environment for peace, stability and prosperity** in the region in **addressing common challenges,** upholding the rules-based regional architecture, and promoting closer economic cooperation, and thus strengthening confidence and trust.

unacademy.com | Download the Unacademy app
Give your feedback here: Link

How important is the ASEAN region economically?

- **If ASEAN were a country, it would be the seventh-largest economy in the world**, with a combined GDP of $2.6 trillion in 2014.
- By 2050 it's projected to rank as the fourth-largest economy.
- Home to more than 622 million people, the region has a larger population than the European Union or North America.
- It also has the third-largest labor force in the world, behind China and India.

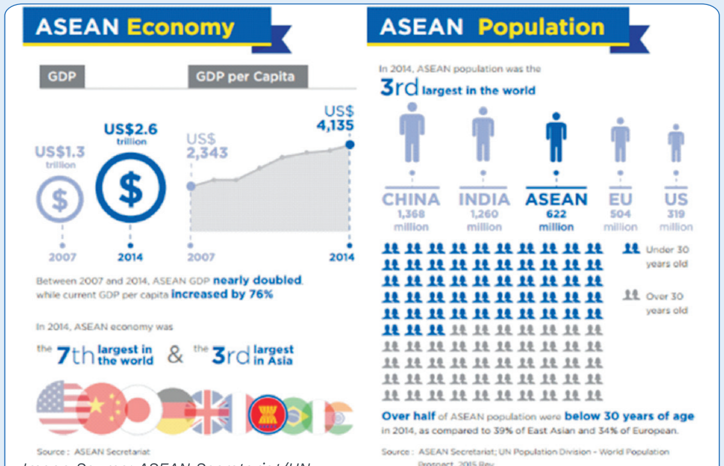

Image Source: ASEAN Secretariat/UN

India's Indo-Pacific Oceans Initiative (IPOI)

- It is an **open, non-treaty based initiative** for countries to work together for cooperative and collaborative solutions to common challenges in the region.

ASEAN Significance for India

- ASEAN occupies a central place in the **security architecture of the Indo-Pacific region.**
- Maritime cooperation in terms of connectivity, safety and security has gained high attention.
- India and ASEAN can collaborate to combat terror financing, cyber security threats, tax evasions.
- A rules-based regional security architecture can be envisioned with ASEAN help.
- ASEAN is the **pivot** for **India's Act East Policy.**

Way Forward

- Despite their distinct cultures, histories and languages, the 10 member states of ASEAN share a focus on jobs and prosperity.
- Household purchasing power is rising, propelling the region into the next frontier of consumer growth.
- The ASEAN region must now meet the challenges of providing enormous investment in infrastructure and human-capital development to ensure it realizes its full potential.

आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक

खबरों में क्यों?

हाल ही में, भारत के विदेश मंत्री ने वार्षिक आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक (एआईएफएमएम) में भाग लेने के लिए कंबोडिया का दौरा किया।

प्रमुख बिंदु

आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक (एआईएफएमएम)

- **भारत ने इस वर्ष 'आसियान अधिनियम** चुनौतियों का एक साथ समाधान' विषय के तहत आसियान की कंबोडियाई अध्यक्षता की सराहना की।
- बैठक में निम्नलिखित क्षेत्रों में आसियान-भारत सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया:
  - स्मार्ट कृषि
  - स्वास्थ्य देखभाल
  - नई और नवीकरणीय ऊर्जा
  - डिजिटल समावेशिता
  - फिनटेक
- एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक में आसियान एकता और केंद्रीयता के लिए भारत की वकालत की।
- इंडो-पैसिफिक (एओआईपी) और इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव (आईपीओआई) पर आसियान आउटलुक के बीच मजबूत अभिसरण को देखते हुए भारत ने इंडो-पैसिफिक में आसियान के साथ और अधिक सहयोग का आह्वान किया।
- पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) विदेश मंत्रियों की बैठक और आसियान क्षेत्रीय मंच (एआरएफ) मंत्रिस्तरीय बैठक सहित नोम पेन्ह में आसियान से संबंधित मंत्रिस्तरीय बैठकें।

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान)

- यह एक क्षेत्रीय समूह है जो आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देता है। इसकी स्थापना 8 अगस्त 1968 को बैंकॉक, थाईलैंड में हुई थी।
- आसियान दस दक्षिण पूर्व एशियाई राज्यों - ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम को एक साथ लाता है।
- यह शीत युद्ध के ध्रुवीकृत माहौल के दौरान स्थापित किया गया था, इस गठबंधन का उद्देश्य इस क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देना था।
- सदस्य राज्यों के अंग्रेजी नामों के वर्णानुक्रम के आधार पर इसकी अध्यक्षता सालाना घूमती है।
- आसियान और भारत ने राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ाने के लिए 2002 में वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करना शुरू किया।
- 2015 में, आसियान नेताओं ने भारत की "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" का स्वागत किया।
- 2015 में, आसियान आर्थिक समुदाय (एईसी) अस्तित्व में आया, जो संगठन के क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण एजेंडे में एक प्रमुख मील का पत्थर है।
    - एईसी ब्लॉक को माल, सेवाओं, निवेश और कुशल श्रम के मुक्त प्रवाह और पूरे क्षेत्र में पूंजी की मुक्त आवाजाही के साथ एक एकल बाजार के रूप में देखता है।

Image Source: World Atlas

इंडो-पैसिफिक पर आसियान आउटलुक

- यह इस क्षेत्र में सहयोग का मार्गदर्शन करने और आसियान की सामुदायिक निर्माण प्रक्रिया को बढ़ाने और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन जैसे मौजूदा आसियान के नेतृत्व वाले तंत्र को और मजबूत करने के लिए एक दृष्टिकोण प्रदान करता है।
- इसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए एक सक्षम वातावरण को बढ़ावा देने में मदद करना, सामान्य चुनौतियों का समाधान करना, नियम-आधारित क्षेत्रीय वास्तुकला को बनाए रखना, और घनिष्ठ आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना, और इस प्रकार आत्मविश्वास को मजबूत करना और विश्वास।

unacademy

आसियान क्षेत्र आर्थिक रूप से कितना महत्वपूर्ण है?

- यदि आसियान एक देश होता, तो यह 2014 में $2.6 ट्रिलियन की संयुक्त जीडीपी के साथ दुनिया की सातवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होती।
- 2050 तक इसे चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में रैंक करने का अनुमान है।
- 622 मिलियन से अधिक लोगों का घर, इस क्षेत्र में यूरोपीय संघ या उत्तरी अमेरिका की तुलना में बड़ी आबादी है।
- इसके पास चीन और भारत के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी श्रम शक्ति भी है।

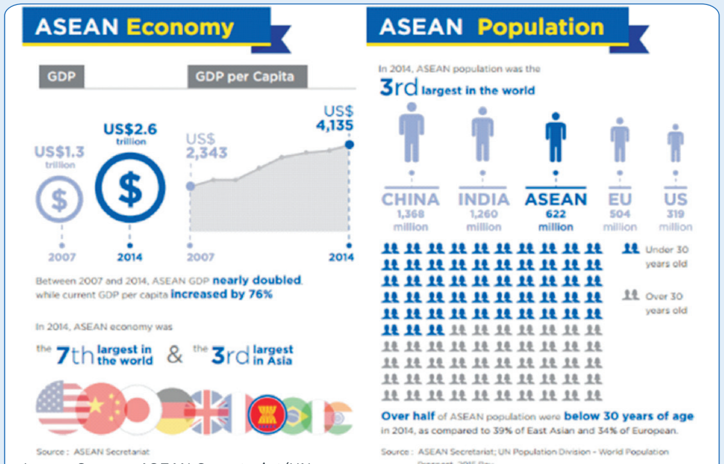

Image Source: ASEAN Secretariat/UN

भारत की हिंद - प्रशांत पहल (IPOI)

- यह देशों के लिए एक खुली, गैर-संधि आधारित पहल है जो इस क्षेत्र में आम चुनौतियों के सहकारी और सहयोगी समाधान के लिए मिलकर काम करती है।

भारत के लिए आसियान का महत्व

- आसियान भारत-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा वास्तुकला में एक केंद्रीय स्थान रखता है।
- कनेक्टिविटी, और सुरक्षा के मामले में समुद्री सहयोग ने अत्यधिक ध्यान आकर्षित किया है।
- भारत और आसियान आतंकवाद के वित्तपोषण, साइबर सुरक्षा खतरों, कर चोरी से निपटने के लिए सहयोग कर सकते हैं।
- आसियान की मदद से एक नियम-आधारित क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना की कल्पना की जा सकती है।
- आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति की धुरी है।

आगे की राह

- अपनी विशिष्ट संस्कृतियों, इतिहास और भाषाओं के बावजूद, आसियान के 10 सदस्य राज्य नौकरियों और समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- घरेलू क्रय शक्ति बढ़ रही है, जो इस क्षेत्र को उपभोक्ता विकास के अगले मोर्चे पर ले जा रही है।
- आसियान क्षेत्र को अब अपनी पूरी क्षमता का एहसास सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे और मानव-पूंजी विकास में भारी निवेश प्रदान करने की चुनौतियों का सामना करना होगा।